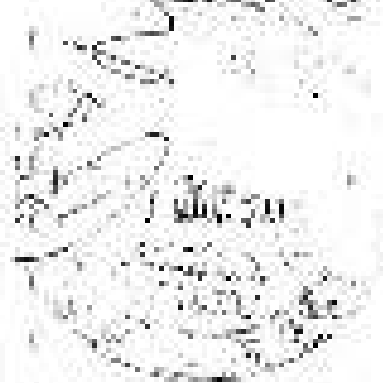


4000 रु.

Rs 5000

पांच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



विवरण विलेख

प्रित्तम मूल्य : रु. 3,57,984/-
 मासिक मूल्य : रु. 2,15,600/-
 स्थायी मूल्य : रु. 36,800/-
 बचत : निचली

यह विलेख विलेख श्री जलकल पुत्र सुखलाल निवासी राठवाडा,
 लखनऊ निचे आगे विप्रेता कहा गया है, एवम् राम जी कोरी पुत्र
 श्री राम अमर कोरी वर्तमान निवासी-254, चन्द लोक, अलीगढ़,

अतिरिक्त

— **משה**

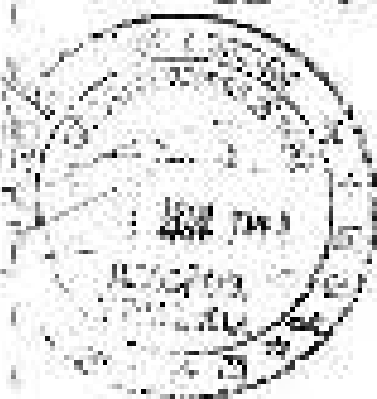
note that $\pi_0 = \pi_0^*$ _____

श्री - राज कुमार
 पता - दिल्ली
 मोबा - 98765 43210
 ईमेल - rajkumar@gmail.com

CTD 0125.

100-443887-100

जयकाय जयकाय निम्नलिखित राजकी
कोई पुत्र पुत्र जयकाय को निम्नलिखित
पुत्रकायका



18511

- 2 -

सखगऊ, एवं स्याई निवासी-बीधानगंज, पोस्ट-शीतलमंज, जिला- प्रतापगढ़ जिसे आगे खेता कहा गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि गिरिजा भूमि ससरा संख्या- 245 सख्या 0.198 डेप्टर, स्थित ग्राम मुजगढ़ नगर मुखमल, गहना -बिजगीर, तहसील व जिला, सखगऊ, का मालिक, कर्मित व कर्मित है तथा उपरोक्त सख्यापित प्रमाणिक खाता खातीनी क्रम संख्या 55 के अनुसार भूमि गिरिजा के नाम पर अमल बहागद राजद्व

सिद्धांत

2563
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

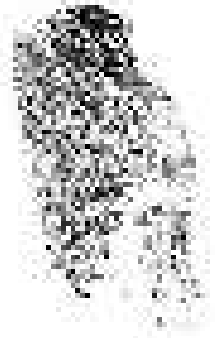
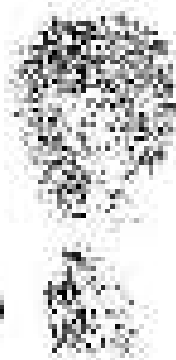
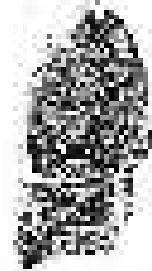
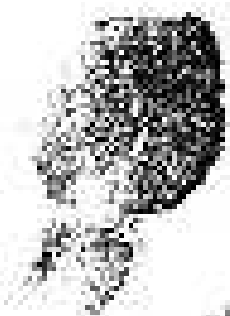
॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

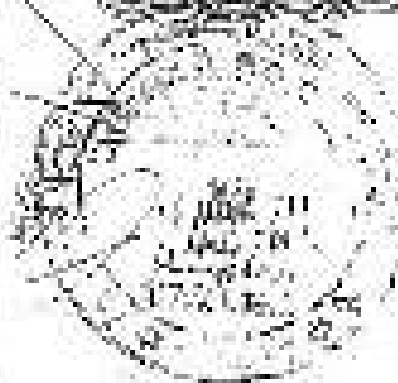
॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

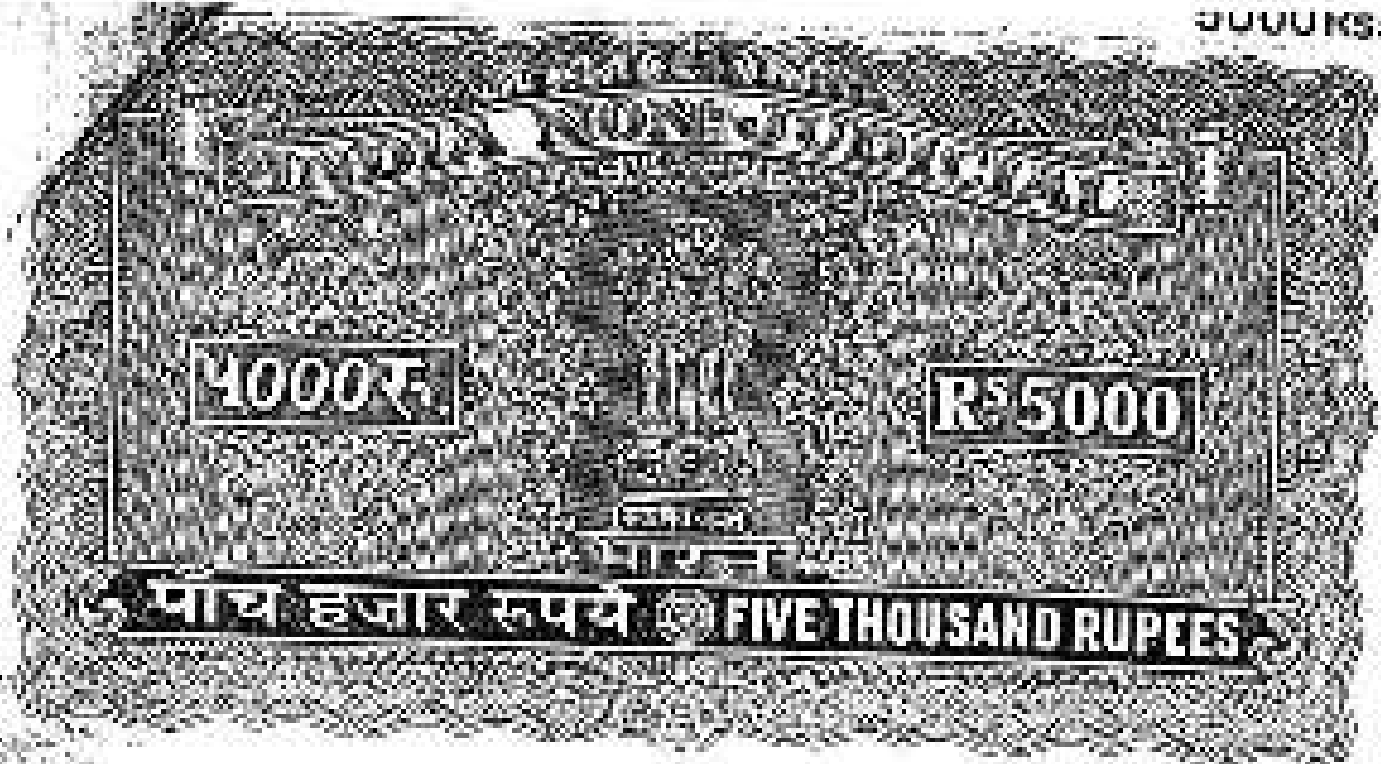


188116

- 3 -

अभिलेखों में हो गया है। विक्रेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा जेता को इस विज्ञापन दियेल द्वारा विताय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, गतिमल व काबिल है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त गतिमल भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं बाक व साफ है तथा विक्रेता ने उसे इस विज्ञापन के पूर्व कहीं बय, शिवा, गिरवी या अनुवन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय वा सरकारी कार्यवाही के

अभिलेख



190135

- 4 -

अर्थात् विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुछ इत्यादि है।
विक्रता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वाम्य,
स्वयं का दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विषय अन्तर्गत
करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सन्ध्या के
मूल (वस्तु) रु० 3,57,404/- (तीन लाख सत्तर हजार नौ सौ
बीस रुपये) के प्रतिकूल में विक्रेता को उक्त वस्तु को द्वारा
विक्रता को इस विक्रेता के अन्तर्गत ही गई अनुसूची में वर्णित विधि
के अनुसार सुगमता से देना गया है एवं विक्रेता को प्राप्त वं

अतिरिक्त

Q. Singh



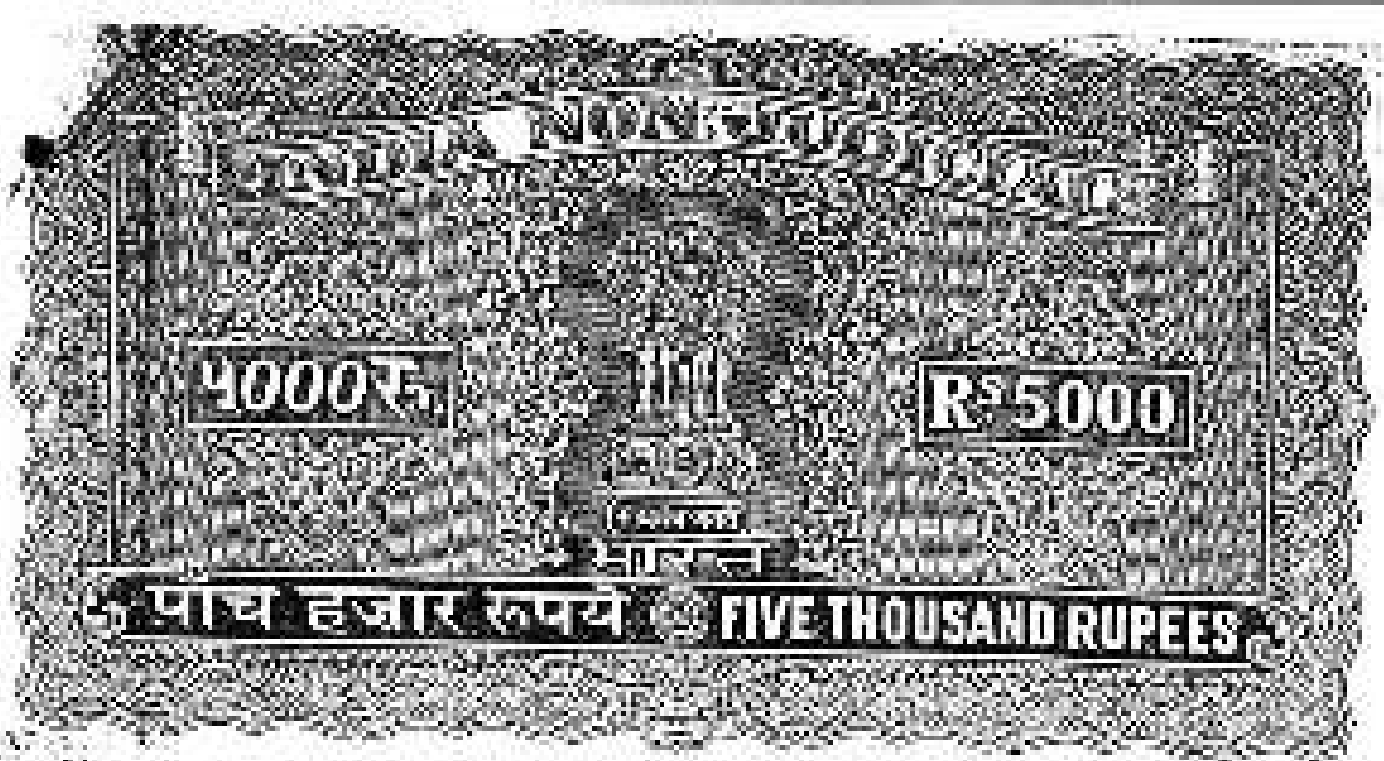
10318

- 3 -

विक्रेता यहाँ उल्लिखित करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त प्रेस के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमे, जिरका विवरण इस विक्रय विज्ञापन के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कदाई देव दिया है. एवं विक्रेता ने विक्रयशुद्ध मुनि का गौले पर कब्जा कंता को बखुशी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी गद निछेना तथा उसके पारिसान का कोई अविश्वद नहीं है। विक्रेता ने विक्रयशुद्ध सन्तति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए कंता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब प्रेस

10/10/10

[Handwritten signature]



130138

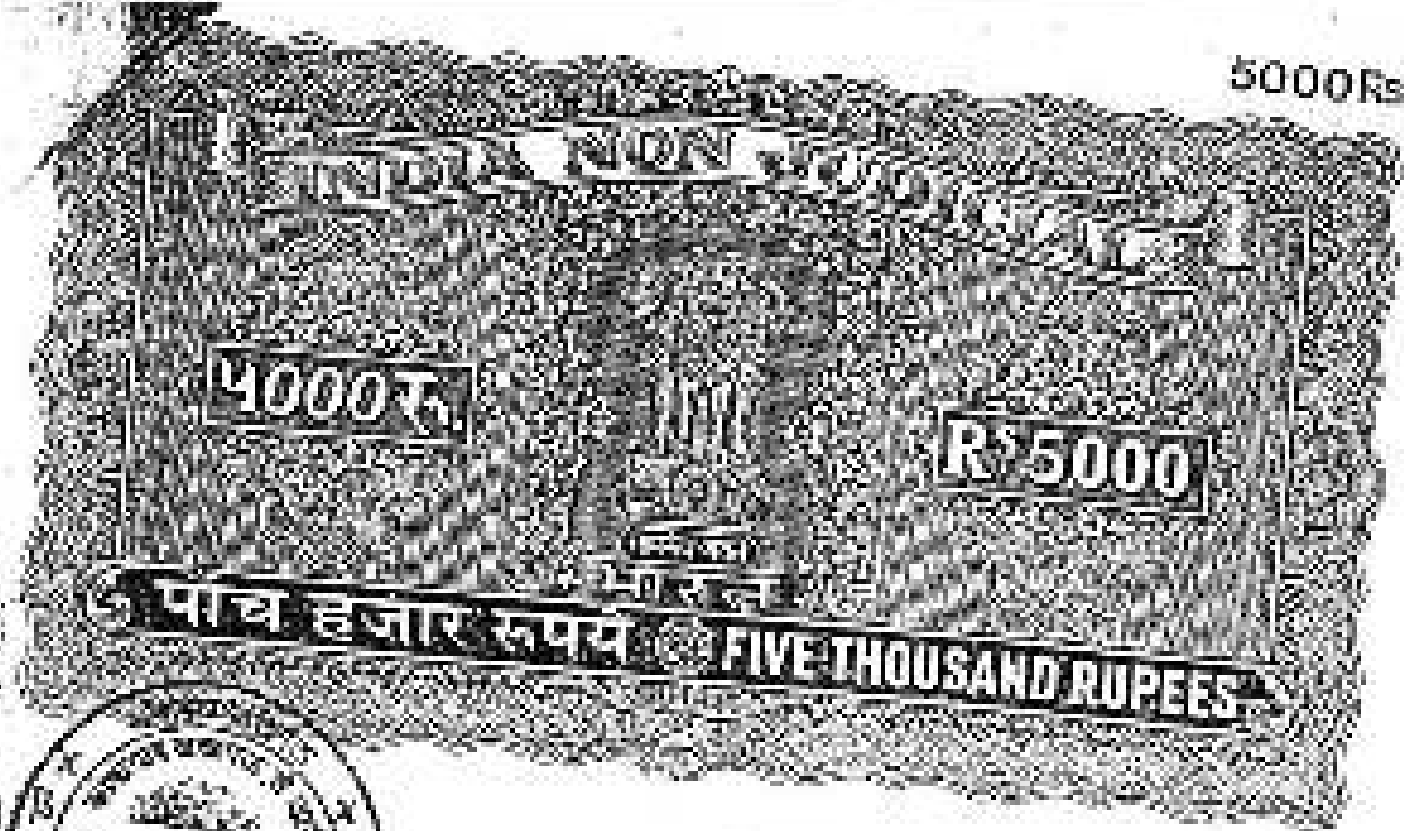
- 6 -

विद्यार्थ्या संपत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र
स्वामित्व में अधिग्रहण न करके वे संपत्ति को समय में धारण एवं
उपयोग में आयोग करेंगे। विद्यार्थ्या उदात्त किस्ती भुगतान की अड़खन
बाधा नहीं डाल सकते एवं न ही कोई मांग कर सकते। और यदि
विद्यार्थ्या संपत्ति अथवा कोई भाग विद्यार्थ्या के स्वामित्व में जुटि
के कारण या कानूनी अड़खन या कानूनी जुटि के कारण मिला या
उसके वारिसान निषादअग्रण इत्यादि को कब्जे में अधिग्रहण या
स्थान से निकल जाने की सेवा उसके वारिसान, निषादअग्रण

CH/20/20

(Signature)

5000Rs



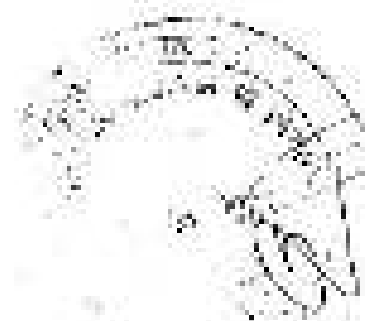
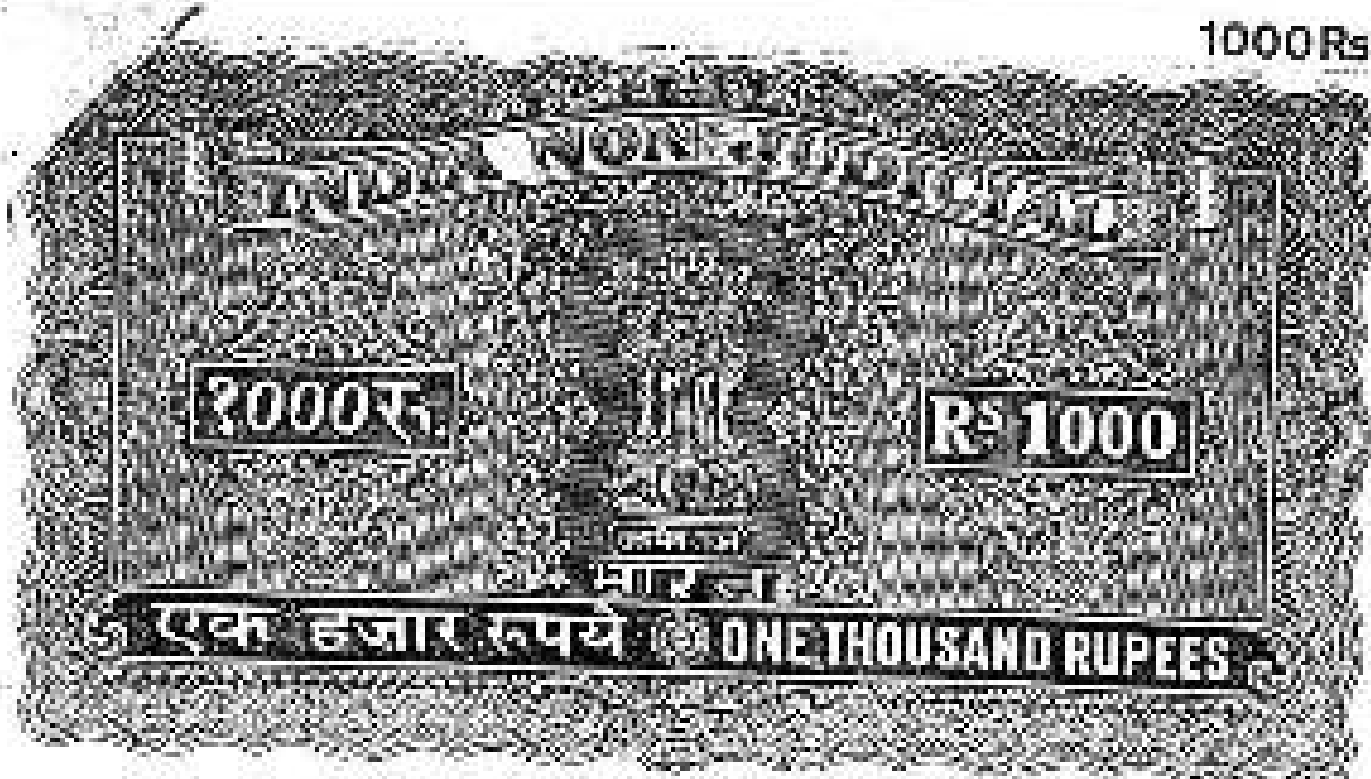
183202

- 7 -
इलाह की यह एक होगा कि वह अपना लम्बे मुक़द़्दर में
हज़ारों व लाखों, मिलेगा की दल, अवल सम्पत्ति से जलिये अदालत
बसूत कर ले। वह सित में मिलेगा एवं उसके बादिलान हज़ारों व
लाखों देन से मु राख्त होगा।

यह कि केवल दिक्कतगुना सम्पत्ति की वास्तव लायिक
सम्पत्ति अकिलेखों में अपने नाम देन कर ले तो मिलेगा की कोई
असम्पत्ति न होगी और यह कि इस सित्त मिलेख के पूर्व का ऊपर
बाई बताया किसी तरह के भाव इस सम्पत्ति पर होगा तो

अमरगुला

(Signature)



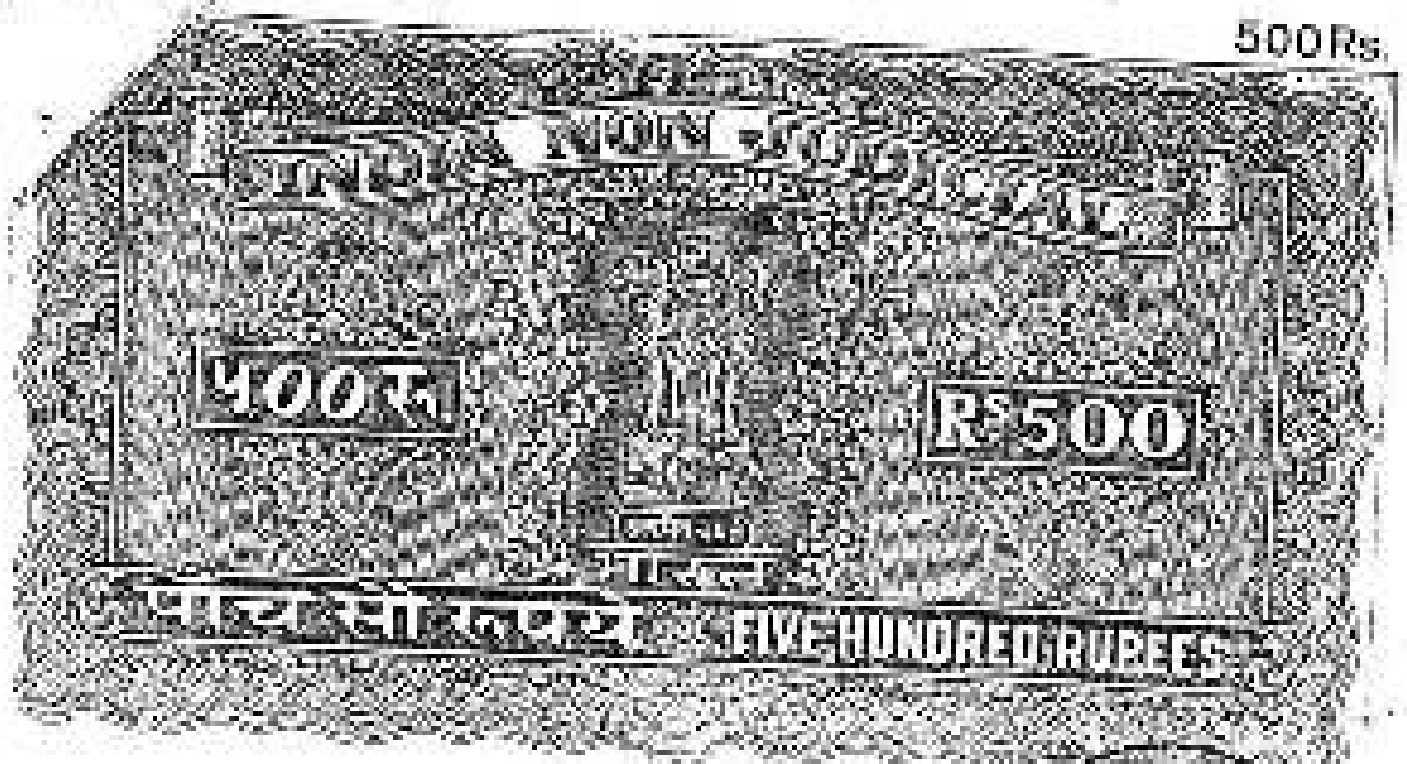
- 8 -

उक्तकी विज्ञप्ति मुताबक य पड़ल करेण, विज्ञप्ति को कोई आपत्ति न होणी।

यह कि उपरोक्त उक्त नम्बर ग्राम गुलफाद नगर पंचायत, अर्धनगरीय क्षेत्र के विविष्ट ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित दरमियान के रक 11,00,000/- प्रति हेक्टर के हिसाब से निर्धारित भूमि 0.156 हेक्टर की मालियत रक 2,15,600/- होयी है। तथा विकट मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रक 35,800/- जनरल

निर्दिष्ट

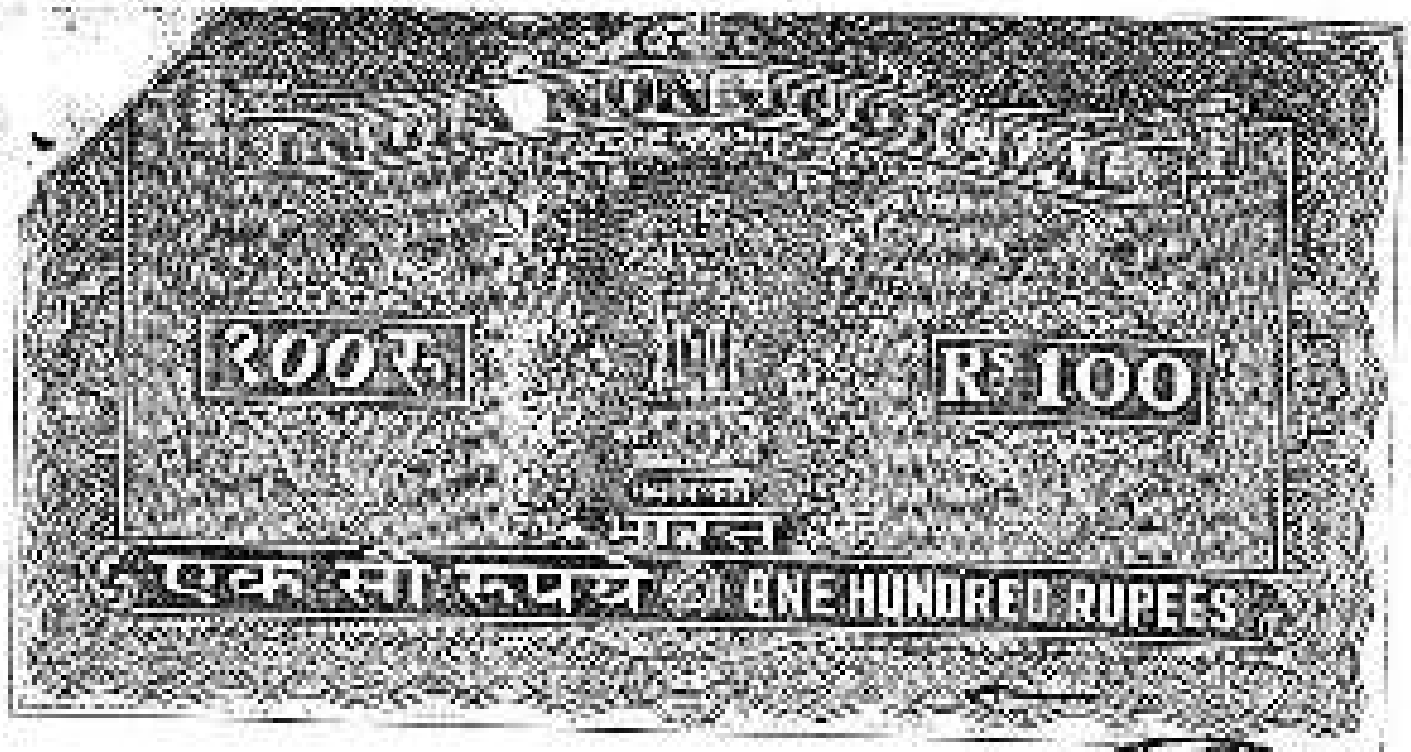
(Signature)



- 9 -

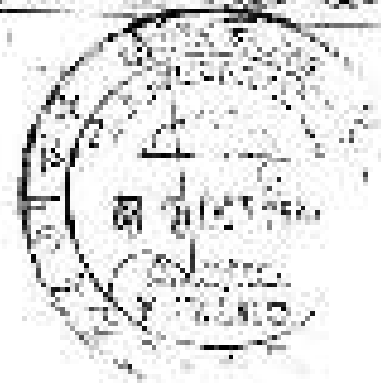
सामग्री अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विज्ञापित भूमि कृषि के उपयोग के लिए ब्राय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, झील, या निर्माण आदि नहीं है। तथा 200 मीटर के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है। विज्ञापित भूमि दिल्ली लिंक मार्ग, राजमार्ग या जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विज्ञापित भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विज्ञापित भूमि को कोई अनुसूचित जाति के सदस्य है। इस विज्ञापित भूमि के निष्पन्न या अल्पतम दायरे द्वारा बहन किया गया है।

2014/01/20



- 12 -

वही वक्ता मैं लिख दिया ताकि समझ रहे और
आवश्यकता पड़ने पर काम आये।



ललामऊ
दिनांक 04.11.2004
गयाह

1. श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्
2. श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्

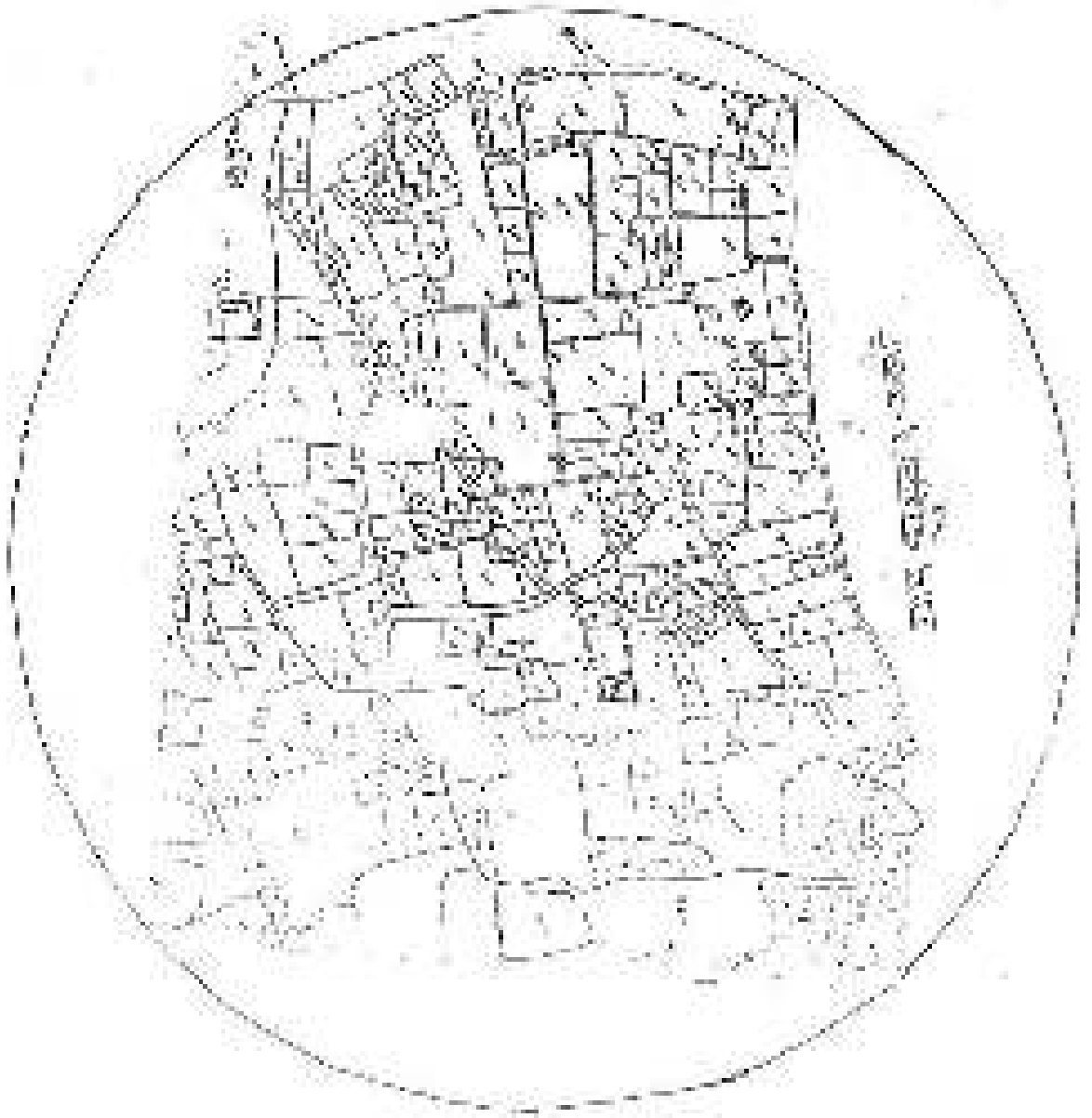
श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान्

श्रीमान् श्रीमान्
(श्रीमान् श्रीमान्)

श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्
श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्

Joseph

1840



THE HISTORY OF THE UNITED STATES



- 10 -

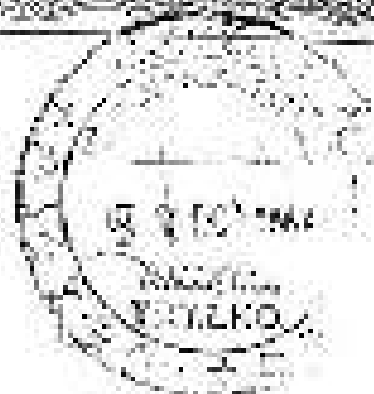
पंतिशष्ट - विवरण निम्नलिखित सम्पत्ति का निवेदन

भूमि असरा संख्या- 245 रकबा 0.196 हेक्टेयर, स्थित
ग्राम मुखरवा नाह मुखरवा, पटाना -दिल्ली, तहसील व जिला,
तख्तना, जिला नौदही निम्न है।

असरा नं० 245 रकबा 0.196 हेक्टेयर

पूरुष	: असरा संख्या- 247
परिवध	: असरा संख्या-246

ॐ श्रीगणेशाय नमः



- 11 -

उत्तर : उत्तर संख्या-243

प्रश्न : उत्तर संख्या-253

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

कुल विवरण नुसार भुगतान का रकम 3,57,984/- (तीन लाख सत्तर हजार नौ सौ बीसती रुपये) केरा से प्राप्त हुए तथा विवरण प्राप्ति निकेता स्वीकार करते हैं।

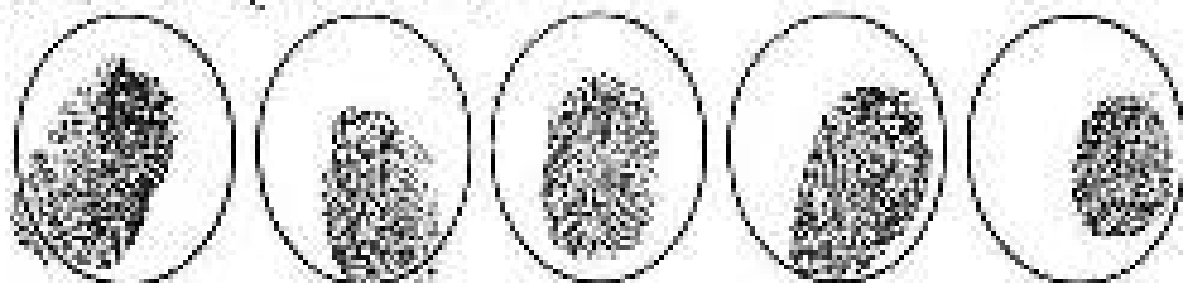
लिहाजा यह विवरण पर हम निकेता न केरा के पक्ष में समर्थ गवाहन बिना किसी जोर दवान के, व स्वस्थ मिला व मन

अभिप्रेत

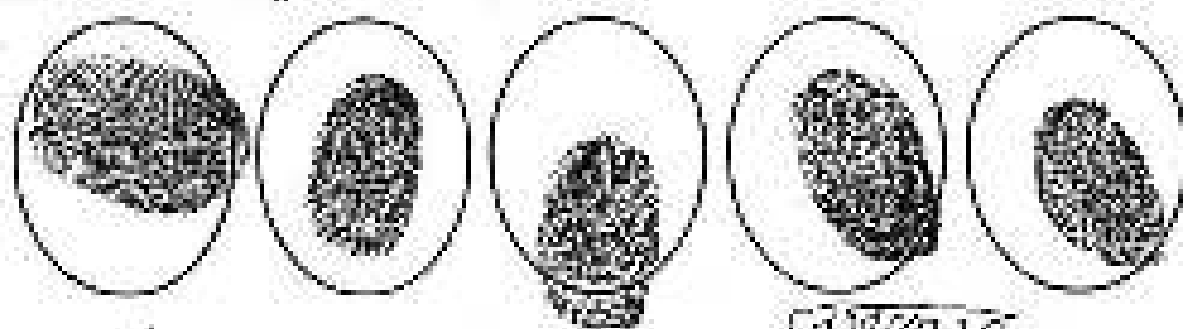
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिंट्स

प्रत्यक्ष/पिता का नाम व पता : अशोक कुमार झा
रजि. नं. 1234-5678-9012

बाएं हाथ के अंगुलियों के प्रिंट :



दाहिने हाथ के अंगुलियों के प्रिंट :

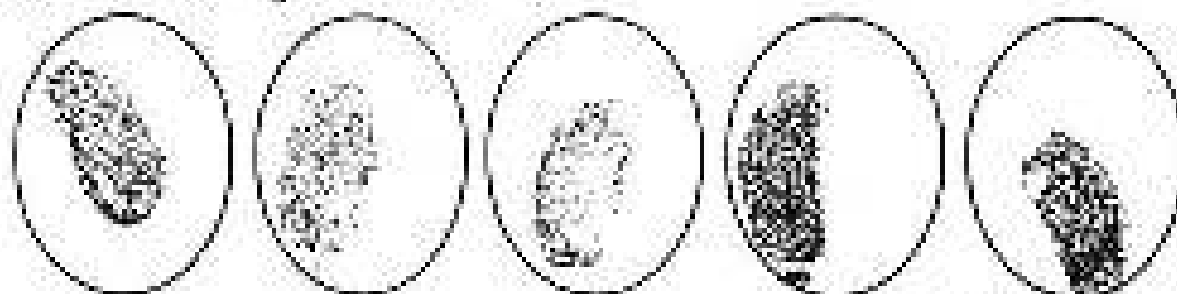


प्रत्यक्ष/पिता का नाम व पता : अशोक कुमार झा
रजि. नं. 1234-5678-9012

बाएं हाथ के अंगुलियों के प्रिंट :



दाहिने हाथ के अंगुलियों के प्रिंट :



अशोक कुमार झा के हस्ताक्षर
Ashok Kumar Jha



4-11-64
6318
639/426 9569
30
at 10:00 - 10:10
10:10

